शोध परिधि
SHODH PARIDHI

साहित्य, कला संस्कृति, मानविकी एवं समाज विज्ञान की
द्विभाषिक षट्मासिक राष्ट्रीय शोध पत्रिका

Volume : 1 Issue : 2 / 2014 ISSN : 2349-9575

मुख्य संरक्षक
श्रीयुत गोपाल दास 'नीरज'

प्रधान सम्पादक
डॉ. जीत सिंह

सम्पादक
डॉ. मंजू चौहान

उपसम्पादक
डॉ. किशोर कुमार
डॉ. हरिन्द्र कुमार

सहसम्पादक
डॉ. सत्यन्त कुमार
डॉ. कनक कुमार

प्रबन्ध सम्पादक
डॉ. अर्चना सिंह
डॉ. दिनेश चन्द शर्मा

शोध परिधि - प्रेरणा साहित्य समिति हापुड़ (रजि.)-245101
एवं 80 'जी' से पंजीकृत (उ.प्र.) भारत द्वारा प्रकाशित

शोध परिधि ISSN-2349-9575

साहित्य, कला, संस्कृति, मानविकी एवं समाज विज्ञान की
द्विभाषिक षट्मासिक राष्ट्रीय शोध पत्रिका

कथा-कौतुकम् में चित्रित मनोदशा

नीलम शर्मा
असि.प्रो. संस्कृत विभाग
कु0मा0रा0 म0 स्ना0 महाविद्यालय
बादलपुर, गौ0बु0नगर

शोध सारांश

डॉ. गंगाधरभट्ट विरचित कथा-कौतुकम् एक आधुनिक कथा संग्रह है। इसमें १२ कथाएँ हैं- अभिलाष पूरणम्, परिवर्तनम्, ते के न जानीमहे, वरान्वेषणम्, वधूरत्नम् अर्पणा, पश्चाताप:, राष्ट्रविप्लव:, मितव्ययता, द्रोपद्या एवापमान:, पल्लवी, डाक्टर-कृष्ण:, सौभ्रात्रम्। कथाकौतुकम् की समस्त कथाएँ कथानक, भाव, भाषाशैली आदि की दृष्टि से उत्कृष्ट हैं। आधुनिक संस्कृतसाहित्य की महत्त्वपूर्ण प्रवृत्ति पात्रों के मनोवैज्ञानिक चित्रण में भी कथाकार सिद्धहस्त हैं। इन कथाओं के माध्यम से मानव मनोगत विविध भावों को अभिव्यंजित किया गया है। प्रस्तुत शोधपत्र का लक्ष्य उस मनोदशा को ही चित्रित करना है।

आधुनिक संस्कृतसाहित्येतिहास में लब्धप्रतिष्ठ डॉ. गंगाधरभट्ट का महत्त्वपूर्ण स्थान है। विविध सम्मान्य शैक्षणिक पदों और सम्मानों से विभूषित ये विलक्षण प्रतिभा के धनी हैं। इनकी प्रज्ञामृतम्, रामचन्द्र भट्टवाग्विलास:, राजस्थानीयाभिनव संस्कृत साहित्य (पाँच भागों में) मंजुनाथ वाग्वैभवम्, कथाकौतुकम् आदि रचनाएँ विशेष समादृत हैं। इनके अतिरिक्त 200 से अधिक लेख, निबन्ध, लघुकथा, वार्ता समीक्षा, भूमिका प्रतिवेदन आदि इनके वैदुष्य के प्रकाशक हैं। गंगाधरभट्ट रचित कथा-कौतुकम् एक कथा संग्रह है। राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर से 2005 में प्रकाशित कथा-कौतुकम् में 12 कथाओं का संग्रह है-

1. अभिलाषपूरणम्	2. परिवर्तनम्
3. ते के न जानीमहे	4. वरान्वेषणम्
5. वधूरत्नम् अर्पणा	6. पश्चाताप:
7. राष्टविप्लव:	8. मितव्ययता
9. द्रोपद्या एवापमान:	10. पल्लवी